# सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

# रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

## महाविद्यालय में तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केन्द्र का शुभारम्भ

**दिनाँक - 27 अगस्त 2020**

**मुख्य अतिथि -**

**माननीय डॉ० धन सिंह रावत जी,**

**उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड**

**विशिष्ट अतिथि -**

**माननीय श्री राज कुमार ठुकराल जी,**

**विधायक रुद्रपुर**

**समारोहक - डॉ० गौरव वार्ष्णेय, प्रभारी, डाटा रिसोर्स सेंटर, असिस्टेंट प्रोफेसर ,गणित**

***संरक्षक***

**प्रो० कमल किशोर पाण्डे**

**प्राचार्य**

**सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय**

**रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड**

सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर में गुरूवार दिनाँक - 27 अगस्त 2020 को तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केन्द्र का उच्च शिक्षा व सहकारिता मंत्री माननीय डॉ० धन सिंह रावत ने शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा व सहकारिता मंत्री माननीय डॉ० धन सिंह रावत, विशिष्ट अतिथि माननीय श्री राज कुमार ठुकराल जी, विधायक रुद्रपुर तथा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो कमल किशोर पाण्डे ने दीप प्रज्जवलित कर किया|

अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा व सहकारिता मंत्री माननीय डॉ० धन सिंह रावत ने कहा कि कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक कैंपस कॉलेज खोला जाएगा। साथ ही सभी डिग्री कॉलेजों को ई-पुस्तकालय से जोड़ा जाएगा।

राज्य के प्रत्येक डिग्री कॉलेज में पांच रोजगारपरक विषय शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में 10 स्मार्ट क्लास रूम बनाये जाएंगे। साथ ही रुद्रपुर महाविद्यालय को कम्प्यूटर प्रयोगशाला हेतु 50 कंप्यूटर दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कुमाऊं विवि में भी अब कृषि विषय की पढ़ाई होगी। इसके लिए कोटाबाग और रुद्रपुर राजकीय महाविद्यालय में कृषि विषय से पढ़ाई को हरी झंडी दी है। कुमाऊं विवि से संबद्ध महाविद्यालयों में पांच रोजगार परक कोर्स होटल मैनेजमेंट, टूरिज्म, सहित अन्य छह माह या एक वर्ष के लिए शुरू किए जाएंगे। कुमाऊं में कृषि विषय की पढ़ाई सिर्फ पंतनगर में होती है। अब रुद्रपुर व कोटाबाग महाविद्यालय में भी होगी। कोरोना संक्रमण के बाद इसमें आगे की कार्रवाई की जाएगी। गदरपुर में इसी वर्ष से महाविद्यालय शुरू कर दिया जाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने  महाविद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय को पूर्व में दिए बजट की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दो करोड़ रुपये की लागत से प्रयोगशालाओं  का निर्माण कराया जा रहा है। महाविद्यालय की सुरक्षा के लिए 16 लाख की लागत से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

महाविद्यालय के पुस्तकालय को ई-ग्रंथालय से जोड़ा गया है। इसमें करीब 50 हजार पुस्तकों को अपलोड किया गया है ।

कार्यक्रम को माननीय विधायक रुद्रपुर श्री राजकुमार ठुकराल ने भी सम्बोधित किया| महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो कमल किशोर पाण्डे ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए महाविद्यालय विकास कार्यों की आख्या प्रस्तुत की|

अंत में प्राचार्य प्रो कमल किशोर पाण्डे ने अभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट किये| समारोह का संचालन महाविद्यालय डाटा रिसोर्स सेंटर के प्रभारी तथा विभागाध्यक्ष गणित  डॉ० गौरव वार्ष्णेय ने किया|

समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मन्त्री डॉ० धन सिंह रावत को कोरोना महामारी के दौरान व्यापक जन सेवा तथा छात्र छात्राओं के ऑनलाइन अध्ययन एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए कुशल मार्गदर्शन देने के लिए महाविद्यालय द्वारा कोरोना वारियर्स सम्मान प्रदान किया गया ।

# NATIONAL WEBINAR ON DOCUMENTATION OF SOCIO-ECONOMIC, POLITICAL, CULTURAL AND TRADITIONAL KNOWLEDGE OF TARAI REGION OF UTTARAKHAND

**AUGUST 12-13, 2021**

# उत्तराखण्ड राज्य के तराई क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक एवं परंपरागत ज्ञान का प्रलेखन विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार

**अगस्त 12 -13 , 2021**

## तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केन्द्र

**CENTRE FOR TARAI RESEARCH, EDUCATION AND DEVELOPMENT (C-TREAD)**

## सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रुद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) उत्तराखण्ड

**SARDAR BHAGAT SINGH GOVRNMENT POST GRADUATE COLLEGE RUDRAPUR (UDHAM SINGH NAGAR) UTTARAKHAND**

National Webinar
Centre for Tarai Research, Education and Development (C-TREAD)
S. B. S. Government P. G. College, Rudrapur
Udham Singh Nagar, Uttarakhand
National Webinar
on
Documentation of Socio-Economic, Political, Cultural & Traditional Knowledge of Tarai Region of Uttarakhand
August 12-13, 2021
Our Inspiration
Shri Pushkar Singh Dhami
Hon. Chief Minister (Uttarakhand)
Dr. Dhan Singh Rawat
Hon. Minister of Higher Education Uttarakhand
Prof.(Dr.)P.K.Pathak
Director, Higher Education, Uttarakhand
Eminent Speakers
SHRI. SHAKTI PRASAD SAKLANI
Renowned Writer and Journalist
DR. B. C. JOSHI
District Malaria Officer, U.S.Nagar
SHRI DALCHAND JI
Distinguished Social Worker
DR. SEEMA ARORA
Distinguished Social Worker
DR. RAJNEESH BATRA
Distinguished Social Worker
PROF. (DR.) OM PRAKASH
G.B.P.U.A.T. Pantnagar
MR. R. K. PANT
District Employment Officer,
U.S.Nagar
Organizing Director
PROF. (DR.) KAMAL K. PANDE
PRINCIPAL, GOVT. P. G. COLLEGE
RUDRAPUR
Convener
DR. D.K.P. CHAUDHARY
PROFESSOR, GOVT. P. G.
COLLEGE RUDRAPUR
Co-Convener
DR. MANISHA TEWARI
ASSOCIATE PROFESSOR, GOVT.
P. G. COLLEGE RUDRAPUR
Organizing Secretary
DR. GAURAV VARSHNEY
ASSISTANT PROFESSOR, GOVT.
P. G. COLLEGE RUDRAPUR
Coordinator
DR. RAJESH KUMAR
ASSISTANT PROFESSOR, GOVT.
P. G. COLLEGE RUDRAPUR
Registration Link- https://forms.gle/VzSFyg2hYqnowe1bA
Join us at-
Link will be shared after Registration

## प्रथम दिवस : दिनाँक- 12 अगस्त 2021

सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र के तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 कमल किशोर पाण्डे, मुख्य वक्ता वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डालचंद एवं अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग के राष्ट्रीय प्रभारी श्री महेंद्र कुमार ने दीप प्रज्जवलित कर किया|

प्राचार्य प्रो0 कमल किशोर पाण्डे ने अपने उद्घाटन सम्बोधन में सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय में तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र द्वारा तराई के सामाजिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक शोधों से सम्बंधित ज्ञान का संकलन कर कौशल विकास की योजनाए संचालित की जाएंगी|

वेबिनार के मुख्य वक्ता वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद ने तराई क्षेत्र के विकास में जनजातियों की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया| उन्होंने बताया कि तराई क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण में जनजातियों का महत्वपूर्ण स्थान है| उन्होंने जनजातीय शिक्षा एवं चिकित्सा के बारे में विस्तार से बताया|

प्रथम तकनीकी सत्र के आमंत्रित वक्ता वरिष्ठ लेखक शक्ति प्रसाद सकलानी ने अपने व्याख्यान में तराई के इतिहास के बारे में जानकारी दी|

द्वितीय तकनीकी सत्र के वक्ता डॉ बी सी जोशी, जिला मलेरिया अधिकारी ऊधम सिंह नगर ने तराई क्षेत्र में मलेरिया के इतिहास के बारे जानकारी दी तथा मलेरिया तथा डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में बताया|

तीसरे तकनीकी सत्र में जिला सेवा योजन अधिकारी आर के पंत ने तराई में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया तथा विभिन्न कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी| वेबिनार के संयोजक प्रो डी के पी चौधरी ने प्रतिभागियों के वेबिनार में आयोजित होने वाले तकनीकी सत्रों की जानकारी दी|

वेबिनार का सञ्चालन आयोजक सचिव डॉ गौरव वार्ष्णेय ने किया| आभार ज्ञापन सह संयोजक डॉ मनीषा तिवारी ने किया| समन्वयक डॉ राजेश कुमार ने वेबिनार का फेसबुक पर लाइव प्रसारण किया |

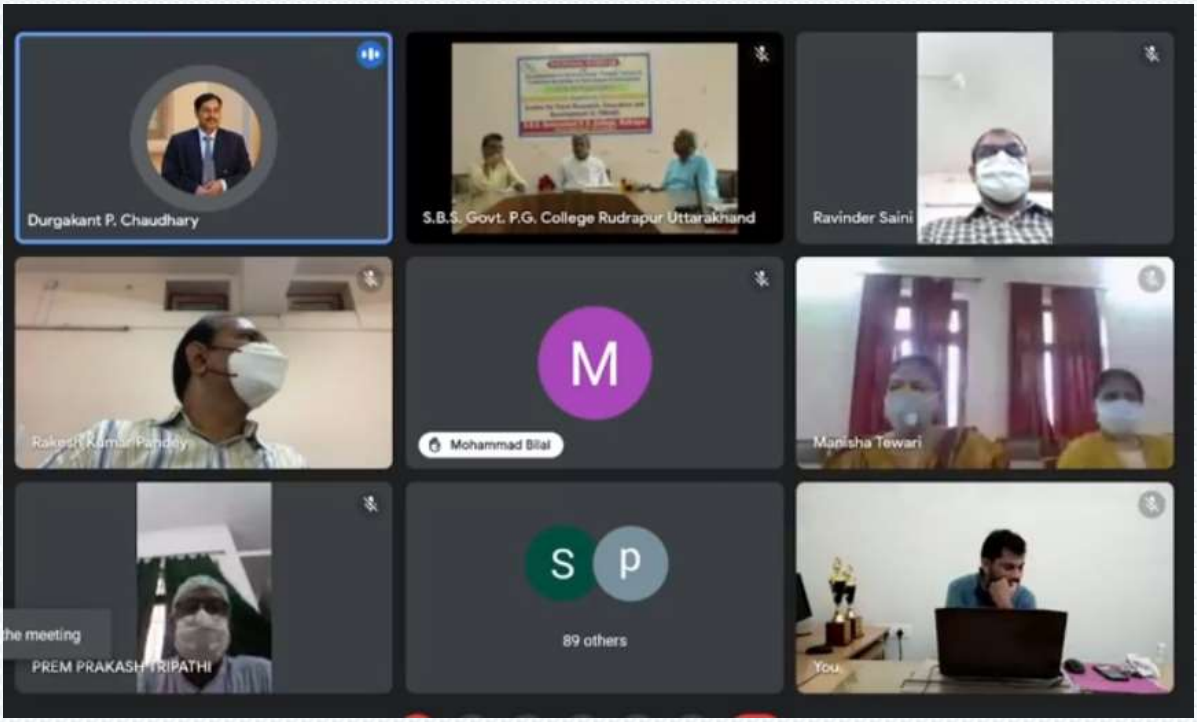


वेबिनार में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 355 प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं छात्र छात्राओं ने गूगल मीट तथा फेसबुक के माध्यम से प्रतिभाग किया| इस अवसर पर डॉ आर के पाण्डे, प्रो दिनेश शर्मा, प्रो शंभू दत्त पाण्डे, प्रो शर्मीला सक्सेना, डॉ शशिबाला, डॉ पी एन तिवारी, डॉ कमला डी भारद्वाज, डॉ रविंद्र सैनी, डॉ हेमलता सैनी, डॉ कमला बोरा, डॉ नरेश कुमार, डॉ मनोज पाण्डे, विजयपाल, सागर, हर्षित आदि उपस्थित रहे|

# द्वितीय दिवस

## दिनाँक- 13 अगस्त 2021

सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र के तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के अंतिम दिन तराई से सम्बन्धित तीन महत्वपूर्ण व्याख्यान आयोजित हुए।

इस अवसर पर उपस्थित अतिथि वक्ता डॉ. सीमा अरोरा, प्रबंध निदेशक, सिक्स सिग्मा इंस्टिट्यूट, एवं समाजसेविका डॉ. रजनीश बत्रा का महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. के. के. पाण्डे द्वारा पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया

प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. सीमा अरोरा द्वारा तराई के पारम्परिक भोजन पर व्याख्यान दिया गयाडॉ. सीमा अरोरा ने उत्तराखण्ड के तराई क्षेत्र के पारम्परिक खाद्य पदार्थों के बारे में बताया। साथ ही उनसे मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की जानकारी भी दी। रागी, गेहूँ , चावल, सावां, ज्वार, बाजरा, आदि अनाजों के पौष्टिक तत्वों का तुलनात्मक अध्ययन की भी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि कैल्शियम और लौह लवणों को दूर करने के लिए ये अनाज लाभकारी सिद्ध होंगे।

कार्यक्रम की अन्य मुख्या वक्ता डॉ. रजनीश बत्रा का कहना था कि तराई , मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है यहाँ पर अनेक जातियों, धर्मों, संस्कृतियों और सम्प्रदायों के लोग आपस में मिल जुलकर रहते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों

की शिक्षा में डॉ, मुन्सा सिंह, डॉ, वीरेंद्र सब्बरवाल, डॉ, मेहता, पं. गोविन्द बल्लभ पंत, के. सी. पंत, मेजर रंधावा, नारायण दत्त तिवारी जैसी महान हस्तियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया साथ ही तराई में शिक्षा के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाई। साथ ही बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित भी किया।

उनका कहना था कि शिक्षा के अभाव के कारण ही कन्या भ्रूण हत्या में वृद्धि हुई है, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना केवल सरकारी आंकड़ों तक ही सीमित रह गई है, उसमे सुधार करने की ज़रुरत है जिसे जमीनी स्तर पर सार्थक करना होगा। उन्होंने बताया कि यदि तराई का वास्तविक विकास करना है तो शिक्षा के स्तर को उठाकर

बाल विवाह और अन्य सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाया जा सकता है। उनका कहना था कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए बच्चों को उनकी मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध करानी पड़ेंगी।

जी. बी. पंत कृषि विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर ओम प्रकाश जी ने मेडिसिनल प्लांट मेडिसिनल एवं एरोमेटिक प्लांट्स ऑफ़ तराई विषय पर बहुत ही रोचक व सारगर्भित व्याख्यान दिया और पोस्ट कोरोना पीरियड एन्टी ऑक्सीडेंट्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो के के पांडेय ने सभी प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना करते हुए उनका आभार ज्ञापन किया और बताया की आगामी समय में इस तरह के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे।

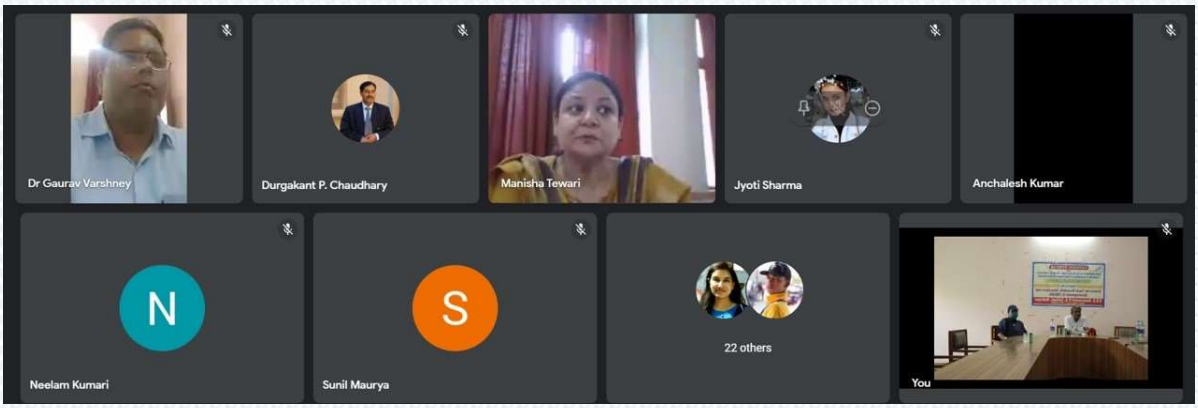


कार्यक्रम के संयोजक प्रो. डी. के. पी. चौधरी, सह-संयोजक ड़ॉ. मनीषा तिवारी, आयोजक सचिव डॉ. गौरव वार्ष्णेय तथा समन्वयक श्री राजेश कुमार के सहयोग से आयोजित वेबिनार ने तराई के विकास, शिक्षा एवं शोध के नए आयाम प्रस्तुत करते हुए आगामी संभावनाओं की ओर संकेत किया।

वेबिनार के समापन पर समन्वयक श्री राजेश कुमार द्वारा सभी अतिथि वक्ताओं, प्रतिभागियों, समस्त प्राध्यापकों व छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

# Newspaper Clipping

ंह नगर युवा Youth

# 'जनजातियों ने सहेजीं हैं तराई की परंपराएं'

संवाद न्यूज एजेंसी

**रुद्रपुर डिग्री कॉलेज में हुए राष्ट्रीय वेबिनार में वक्ताओं ने रखे विचार**

**रुद्रपुर।** एसबीएस पीजी कॉलेज के तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र की ओर से बृहस्पतिवार को दो दिनी राष्ट्रीय वेबिनार का शुभारंभ हुआ। मुख्य वक्ता और वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद ने तराई क्षेत्र के विकास में जनजातियों की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि तराई की परंपराओं के संरक्षण में यहां की जनजातियों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने जनजातीय शिक्षा व चिकित्सा के बारे में विस्तार से बताया। लेखक शक्ति प्रसाद सकलानी ने तराई के इतिहास को बताया। प्राचार्य डॉ. कमल किशोर पांडे ने कहा कि तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र की ओर से ज्ञान का संकलन कर कौशल विकास की योजनाएं संचालित की जाएंगी। द्वितीय तकनीकी सत्र के वक्ता जिला मलेरिया अधिकारी बीसी जोशी ने तराई क्षेत्र में मलेरिया का इतिहास बताया। तीसरे तकनीकी सत्र में जिला सेवायोजन अधिकारी आरके पंत ने तराई में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया। वेबिनार का संचालन आयोजक सचिव डॉ. गौरव वार्ष्णेय ने किया। वहां पर अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग के राष्ट्रीय प्रभारी महेंद्र कुमार, वेबिनार के संयोजक प्रोफेसर डीकेपी चौधरी, डॉ मनीषा तिवारी, डॉ. आरके पांडे, डॉ. दिनेश शर्मा, डॉ. शंभूदत्त पांडे शैलेय, डॉ. शर्मीला सक्सेना, डॉ. शशिबाला आदि थे। वेबिनार में विभिन्न कॉलेज के 355 प्राध्यापकों, शोधार्थियों और छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इसका फेसबुक पर लाइव प्रसारण भी किया गया।

# तराई क्षेत्र के विकास में जनजातियों की अहम भूमिका:डालचंद

**महाविद्यालय में 2 दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार प्रारंभ**

रुद्रपुर(दर्पण संवाददाता)।सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र के तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. कमल किशोर पाण्डे, मुख्य वक्ता वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद एवं अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग के राष्ट्रीय प्रभारी महेंद्र कुमार ने दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रो. पाण्डे ने अपने उदघाटन सम्बोधन में सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय में तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र द्वारा तराई के सामाजिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक शोधों से सम्बंधित ज्ञान का संकलन कर कौशल विकास की योजनाए संचालित की जाएंगी। वेबिनार के मुख्य वक्ता वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद ने तराई क्षेत्र के विकास में जनजातियों की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि तराई क्षेत्र में पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण में जनजातियों का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने जनजातीय शिक्षा एवं चिकित्सा के बारे में विस्तार से बताया। प्रथम तकनीकी सत्र के आमंत्रित वक्ता वरिष्ठ लेखक शक्ति प्रसाद सकलानी ने अपने व्याख्यान में तराई के इतिहास के बारे में जानकारी दी। द्वितीय तकनीकी सत्र के वक्ता डॉ. बीसी जोशी, जिला मलेरिया अधिकारी ने तराई क्षेत्र में मलेरिया के इतिहास के बारे जानकारी दी तथा मलेरिया तथा डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में बताया। तीसरे तकनीकी सत्र में जिला सेवा योजन अधिकारी आरके पंत ने तराई में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया तथा विभिन्न कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी। वेबिनार के संयोजक प्रो. डीकेपी चौधरी ने प्रतिभागियों के वेबिनार में आयोजित होने वाले तकनीकी सत्रों की जानकारी दी। वेबिनार का संचालन आयोजक सचिव डॉ. गौरव वार्ष्णेय ने किया।धन्यवाद आभार ज्ञापन सह संयोजक डॉ. मनीषा तिवारी ने किया।सह समन्वयक डॉ. राजेश कुमार ने वेबिनार का फेसबुक पर लाइव प्रसारण किया। वेबिनार में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 355 प्राध्यापकों, शोध र्थियों एवं छात्र छात्राओं ने गूगल मीट तथा फेसबुक के माध्यम से प्रतिभाग किया।इस अवसर पर डॉ. आरके पाण्डे, प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. शंभू दत्त पाण्डे, प्रो. शर्मीला सक्सेना, डॉ. शशिबाला, डॉ. पीएन तिवारी, डॉ. कमला डी भारद्वाज, डॉ. रविंद्र सैनी, डॉ. हेमलता सैनी, डॉ. कमला बोरा, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. मनोज पाण्डे, विजयपाल, सागर, हर्षित आदि उपस्थित रहे। वेबिनार के अंतिम दिन पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रो. ओम प्रकाश , सिक्स सिग्मा संस्थान की निर्देशिका डॉ. सीमा अरोरा तथा समाजसेवी डॉ. रजनीश बत्रा आमंत्रित वक्ता के रूप में व्याख्यान देंगे।

# ज्ञान संरक्षण में जनजातियों का महत्वपूर्ण स्थान

## राष्ट्रीय वेबिनार

**जासं, रुद्रपुर :** मुख्य वक्ता व वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद ने कहा कि तराई क्षेत्र में पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण में जनजातियों का महत्वपूर्ण स्थान है। साथ ही जनजातीय शिक्षा एवं चिकित्सा के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्य डा. केके पांडेय ने कहा कि महाविद्यालय में तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र की ओर से तराई के सामाजिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक शोध से संबंधित ज्ञान का संकलन कर कौशल विकास की योजनाएं संचालित की जाएंगी।

सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का गुरुवार को प्राचार्य प्रो. कमल किशोर पांडेय, मुख्य वक्ता वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद एवं अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग के राष्ट्रीय प्रभारी महेंद्र कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। वक्ता वरिष्ठ लेखक शक्ति प्रसाद सकलानी ने तराई के इतिहास के बारे में जानकारी दी। डा. बीसी जोशी, जिला मलेरिया अधिकारी ने तराई क्षेत्र में मलेरिया के इतिहास के बारे जानकारी दी तथा मलेरिया तथा डेंगू से बचाव के उपायों के बारे में बताया। जिला सेवा योजना अधिकारी आरके पंत ने तराई में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया तथा विभिन्न कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी। संचालन डा. गौरव वार्ष्णेय ने किया। बताया कि वेबिनार में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 355 प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं छात्र-छात्राओं ने गूगल मीट तथा फेसबुक के माध्यम से प्रतिभाग किया। इस मौके पर डा. मनीषा तिवारी, डा. राजेश कुमार, डा. आरके पांडे, प्रो दिनेश शर्मा, प्रो शंभू दत्त पांडे, प्रो शर्मीला सक्सेना, डा. शशिबाला, डा. कमला डी भारद्वाज, डा. रविंद्र सैनी, डा. हेमलता सैनी मौजूद थे।

◆◆◆◆

# पारंपरिक ज्ञान संरक्षण में जनजातियों का अहम स्थान

एसबीएस महाविद्यालय में राष्ट्रीय वेबिनार में प्रतिभाग करते प्रतिभागी।

वेबिनार

रुद्रपुर | संवाददाता

एसबीएस महाविद्यालय के तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र के तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. कमल किशोर पाण्डे, मुख्य वक्ता वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद एवं अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग के राष्ट्रीय प्रभारी महेंद्र कुमार ने दीप जलाकर किया। वेबिनार में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के 355 प्राध्यापकों, शोधार्थियों एवं छात्र-छात्राओं ने गूगल मीट व फेसबुक के माध्यम से प्रतिभाग किया।

गुरुवार को अपने उद्घाटन संबोधन में प्राचार्य प्रो. पाण्डे ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि महाविद्यालय में तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र द्वारा तराई के सामाजिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक शोधों से संबंधित ज्ञान का संकलन कर कौशल विकास की योजनाए संचालित की जाएंगी।

मुख्य वक्ता वनवासी कल्याण आश्रम के क्षेत्रीय संगठन मंत्री डालचंद ने तराई क्षेत्र के विकास में जनजातियों की भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुये कहा कि तराई में पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण में जनजातियों का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने जनजातीय शिक्षा एवं चिकित्सा के बारे में विस्तार से बताया। प्रथम तकनीकी सत्र के आमंत्रित वक्ता वरिष्ठ लेखक शक्ति प्रसाद सकलानी ने अपने व्याख्यान में तराई के इतिहास के बारे में जानकारी दी। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. बीसी जोशी ने तराई क्षेत्र में मलेरिया के इतिहास के बारे जानकारी दी। जिला सेवायोजन अधिकारी आरके पंत ने तराई में रोजगार की संभावनाओं के बारे में बताया व विभिन्न कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी।

# तराई क्षेत्र के पारम्परिक खाद्य पदार्थ लाभकारी:डॉ.सीमा

## महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का समापन

रुद्रपुर(दर्पण संवाददाता)। उत्तराखंड के तराई क्षेत्र में उत्पादित होने वाले पारंपरिक खाद्य पदार्थ स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक होते हैं। यह बात सिक्स सिगमा इंस्टीट्यूट की प्रबंध निदेशिका डॉ.सीमा अरोरा ने सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तराई, शोध शिक्षा एवं विकास केंद्र के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के अंतिम दिन तराई से संबंधित महत्वपूर्ण व्याख्यान के दौरान अपने उदबोधन में कहीं। उन्होंने तराई क्षेत्र के पारंपरिक खाद्य पदार्थों रागी, गेहूं, चावल, सावाँ, ज्वार, बाजरा आदि अनाजों के पौष्टिक तत्वों के तुलनात्मक अध्ययन की भी जानकारी दी। उन्हों ने कहा कि कैल्शियम और लौह लवणों को दूर करने के लिए यह अनाज लाभकारी सिद्ध होंगे। इससे पूर्व अतिथि वक्ता डॉ. सीमा अरोरा एवं समाज सेविका डॉ. रजनीश बत्रा का महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. केके पाण्डे द्वारा पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। डॉ. रजनीश बत्रा ने कहा कि तराई मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ पर अनेक जातियों, धर्मों, संस्कृतियों और सम्प्रदायों के लोग आपस में मिल जुलकर रहते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों की शिक्षा में डॉ. मुन्सा सिंह, डॉ. वीरेंद्र सब्बरवाल, डॉ. मेहता, पं. गोविन्द बल्लभ पंत, केसी पंत, मेजर रंधावा, नारायण दत्त तिवारी जैसी महान हस्तियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। साथ ही तराई में शिक्षा के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाते हुए बच्चों को मुख्य धारा में जोड़ने को और अधिक प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। उनका कहना था कि शिक्षा के अभाव के कारण ही कन्या भ्रूण हत्या में वृद्धि हुई है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना केवल सरकारी आंकड़ों तक ही सीमित होकर रह गई है। उसमे सुधार करने की जरुरत है। जिसे जमीनी स्तर पर सार्थक करना होगा। उन्होंने बताया कि यदि तराई का वास्तविक विकास करना है तो शिक्षा के स्तर को उठाकर बाल विवाह और अन्य सामाजिक कुरीतियों पर अंकुश लगाना होगा। उनका कहना था कि खेलों को बढ़ावा देने के लिए बच्चों को उनकी मूलभूत सुविधाएँ भी उपलब्ध करानी होंगी। जीबी पंत कृषि विश्व विद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर ओम प्रकाश ने मेडिसिनल प्लांट एवं एरोमेटिक प्लांट्स ऑफ तराई विषय पर बहुत ही रोचक व सारगर्भित व्याख्यान दिया और पोस्ट कोरोना पीरियड एन्टी ऑक्सीडेंट्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. केके पांडेय ने सभी प्रतिभागियों के प्रयास की सराहना करते हुए उनका आभार ज्ञापन किया और बताया कि भविष्य में इस तरह के अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. डीकेपी चौधरी, सह संयोजक डॉ. मनीषा तिवारी, आयोजक सचिव डॉ. गौरव वार्ष्णेय तथा समन्वयक राजेश कुमार के सहयोग से आयोजित वेबिनार ने तराई के विकास, शिक्षा एवं शोध के नए आयाम प्रस्तुत करते हुए आगामी संभावनाओं की ओर संकेत किया। वेबिनार के समापन पर समन्वयक राजेश कुमार ने सभी अतिथि वक्ताओं, प्रतिभागियों,समस्त प्राध्यापकों व छात्र- छात्राओं को कार्यक्रम की सफलता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन आयोजक सचिव डॉ गौरव वार्ष्णेय ने किया।


**GST एकाउन्टिंग सर्विस**

जीएसटी,आईटीआर,टीडीएस, पीएफ, ईएसआई, फैक्ट्री लाईसेंस, डीएससी सहित एकाउटिंग एवं रजिस्ट्रेशन सम्बन्धित काय करवाने हेतु सम्पर्क करें।

-: नोट:-

एकाउटिंग सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध हैं।

सम्पर्क करें-9756721035


# कोरोना से बचाव के विभिन्न उपायों को अपनाने की अपील

अल्मोड़ा(दर्पण संवाददाता)। भारत सरकार के सचना एवं प्रसारण

# रागी, ज्वार, बाजरा पौष्टिकता से भरपूर

## वेबिनार में तुलनात्मक अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत

रुद्रपुर डिग्री कालेज में शुक्रवार को बैठक करते शिक्षक ● जागरण

**जागरण संवाददाता, रुद्रपुर :** सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के तराई शोध, शिक्षा एवं विकास केंद्र के तत्वाधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार के अंतिम दिन कई महत्वपूर्ण व्याख्यान हुए। इसमें पौष्टिक तत्वों की कमी को पूरा करने में सक्षम फसलों की जानकारी दी गई, जिसमें रागी, गेहूं, चावल, सावां, ज्वार बाजरा के पौष्टिक तत्वों का तुलनात्मक अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

शुक्रवार को अतिथि वक्ता डा. सीमा अरोरा, प्रबंध निदेशक, सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट एवं समाजसेविका डा. रजनीश बत्रा ने विशेष तौर पर भाग लिया। उनका महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर केके पांडेय ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। तकनीकी सत्र में शामिल हुईं डा. सीमा अरोरा ने तराई के पारंपरिक भोजन पर प्रकाश डाला। साथ ही उनसे मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की तुलनात्मक रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा कि कैल्शियम और लौह लवणों को दूर करने के लिए ये अनाज लाभकारी सिद्ध होंगे। कार्यक्रम की मुख्यवक्ता डा. रजनीश बत्रा का कहना था कि तराई, मिनी इंडिया के नाम से भी जाना जाता है। जहां बच्चों की शिक्षा में डा. मुंसा सिंह, डा. वीरेंद्र सब्बरवाल, डा. मेहता, पंडित गोविंद बल्लभ पंत, केसी. पंत, मेजर रंधावा, नारायण दत्त तिवारी जैसी महान हस्तियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर ओम प्रकाश ने मेडिसिनल प्लांट मेडिसिनल एवं एरोमेटिक प्लांट्स आफ तराई विषय पर बहुत ही रोचक व सारगर्भित व्याख्यान दिया और पोस्ट कोरोना पीरियड एंटी आक्सीडेंट्स की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर केके पांडेय, प्रोफेसर डीकेपी चौधरी, सह-संयोजक डा. मनीषा तिवारी, आयोजक सचिव डा. गौरव वार्ष्णेय तथा समन्वयक राजेश कुमार मौजूद थे।

### रसायनों के संतुलित प्रयोग से बढ़ाया जा सकता है उत्पादन

जासं, पंतनगर : जीबी पंत विवि में अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना गृह विज्ञान महाविद्यालय की ओर से अमृत महोत्सव कार्यक्रम में 'सतत कृषि धान में संतुलित पोषक तत्वों का प्रबंधन' विषय पर आयोजित किसान गोष्ठी में फसलों की गुणवता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, लीड-यारा विटा, इंडिया विनय शर्मा ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्न आवश्यकता की पूर्ति करने एव औद्योगिकरण के कारण कृषि योग्य भूमि कम होती जा रही है। विवि के निदेशक शोध डा. अजित नैन ने कहा कि बढ़ती हुई आबादी की खाद्य पूर्ति को पूरा करने, खाद्यान्न में आत्मनिर्भरता, अधिक उपज एवं उन्नत आय के लिए किसान रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहा है। रीजनल एग्रोनोमिस्ट, यारा फर्टिलाइजर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्रदीप सिंह ने कहा कि विभिन्न पोषक तत्वों की कमी से धान के पौधों में अलग-अलग लक्षण दिखाई देते हैं। सिंचालन डा. सोनिया तिवारी ने किया।